CAREERINDIA

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **16** printed pages.

DET–24–II

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या
Main Test Booklet No.

Language Code
04

प्रश्न-पत्र—II / PAPER—II
बंगला भाषा परिशिष्ट
BENGALI LANGUAGE SUPPLEMENT
भाग IV & V / PART IV & V

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 16) of this Test Booklet.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड/Main Test Booklet Code
M

बंगला में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका के पृष्ठ संख्या 2 व 15 देखें। / For Instructions in Bengali, see Page Nos. 2 and 15 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **बंगला** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **M**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (बंगला) (प्रश्न सं० 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (बंगला) (प्रश्न सं० 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगला भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगला के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This Booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **M**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV: Language—I (Bengali) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Bengali) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is/are language(s) other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________

अनुक्रमांक (अंकों में)/Roll Number (in figures) : ____________________

(शब्दों में)/(in words) : ____________________

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Centre of Examination (in Capitals) : ____________________

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :
Candidate's Signature : ____________________

निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Invigilator's Signature : ____________________

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ____________________

www.careerindia.com

CAREERINDIA

বর্তমান পুস্তিকাটি 16 পৃষ্ঠা সমন্বিত

Language Code
04

DET–24–II

প্রশ্ন-পত্র—II

বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট

ভাগ—IV এবং V

পরীক্ষা-পুস্তিকা কোড

M

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা-পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা-পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 15 এবং 16) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

1. যেসব পরীক্ষার্থী বাংলা ভাষায় ভাগ—IV (ভাষা—I) (Part—IV, Language—I) অথবা ভাগ—V (ভাষা—II) (Part—V, Language—II)-এর, কিন্তু **দুটিরই নয়**—উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ—I, II, III-এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এর উত্তর তাঁদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার ভাগ—IV এবং ভাগ—V-এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর-পত্রে উত্তর চিহ্নিতকরণের জন্য **কেবলমাত্র কালো/নীল বলপয়েন্ট পেন** ব্যবহার করতে হবে।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **M**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর-পত্রের **দ্বিতীয় পৃষ্ঠায়** মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা-পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা-নিরীক্ষক (Invigilator)-এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাঁকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা-পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
6. এই পরীক্ষা-পুস্তিকাটি IV এবং V এই **দুই** ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে **60** টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective-type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :

   ভাগ—IV : ভাষা—I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 91–120)

   ভাগ—V : ভাষা—II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা 121–150)
7. ভাগ—IV-এ ভাষা—I-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন এবং ভাগ—V-এ ভাষা—II-এর জন্য আছে 30 টি প্রশ্ন। **যদি ভাষা—I এবং/অথবা ভাষা—II-এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয়, তাহলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা-পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন-পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।**
8. **পরীক্ষার্থীদের ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে যা তাঁদের ভাষা—I (ভাগ—IV)-এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা অর্থাৎ ভাষা—I (ভাগ—IV) এবং ভাগ—V (ভাষা—II)-এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।**
9. পরীক্ষা-পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (Rough Work)-এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই Rough Work করতে হবে।
10. সব উত্তর OMR উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিতকরণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে।

পরীক্ষার্থীর নাম (স্পষ্টভাবে) : ____________________

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : ____________________

(অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষাকেন্দ্র (স্পষ্টভাবে) : ____________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ____________________ পরীক্ষা-নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

www.careerindia.com

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা–I হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ–**IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **BENGALI** as **Language–I** only.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

PART—IV / খণ্ড—IV

LANGUAGE—I / ভাষা—I

Bengali / বাংলা

যেসব পরীক্ষার্থী **বাংলাকে ভাষা–I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই **ভাগ–IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ : নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির (**91** থেকে **97** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

91. আপনি আপনার ক্লাসের সর্বাধিক শিক্ষার্থীর অংশগ্রহণকে নিশ্চিত করতে চান। এর জন্য আপনি কোন্ পদ্ধতিটি অনুসরণ করবেন?

(1) আবৃত্তি (recitation)
(2) আলোচনা (discussion)
(3) প্রদর্শন (demonstration)
(4) আদর্শ পাঠ (model reading)

92. শোনার সময় একজন শ্রোতা বিস্তারিত খুঁটিনাটি শোনার ভিত্তিতে সমগোত্রীয় জিনিসগুলি এবং বাক্যের শব্দবিন্যাস-ক্রমটি শনাক্ত করে। শ্রবণের এই প্রক্রিয়াটি হচ্ছে

(1) সমরৈখিক (linear) প্রক্রিয়া
(2) বটম্-আপ প্রক্রিয়া
(3) টপ্-ডাউন প্রক্রিয়া
(4) অনুমিতিভিত্তিক (inferential) প্রক্রিয়া

93. ছোটোগল্প পড়ার সময় নীচের কোনটি 'পঠনকালীন কার্য' ('the while reading activity') হিসেবে গণ্য হবে?

(1) শিক্ষক শিক্ষার্থীদের নতুন শব্দের অর্থ জিজ্ঞেস করবেন এবং সেগুলি ব্যবহার করে বাক্যরচনা করার উৎসাহ জোগাবেন
(2) গল্পের ঘটনাবলী পূর্বানুমান করার জন্য শিক্ষার্থীরা আলোচনা করবে
(3) শিক্ষার্থীরা যুগ্মভাবে কাজ করবে (pair work) এবং পালা করে পাঠ করবে
(4) শিক্ষার্থীরা সংশ্লিষ্ট কবির জীবনী আলোচনা করবে

94. ক্লাসে আপনি কোনো প্রশ্ন জিজ্ঞেস না করে শিক্ষার্থীদের একটা ছোটো পাঠ (text) পড়তে দিলেন এবং সেটার উপর তাদেরই প্রশ্ন তৈরি করতে বললেন। এখানে আপনার উদ্দেশ্য

(1) শিক্ষার্থীদের বিশ্লেষণাত্মক (analytical) এবং বৈচারিক (critical) চিন্তনের বিকাশ ঘটানো
(2) শিক্ষার্থীদের উপযুক্ত প্রশ্নপত্র রচয়িতা তৈরি করা
(3) আপনার প্রশ্নপত্র রচনায় তাদের সাহায্য নেওয়া
(4) প্রশ্নপত্র রচনা যে কত কঠিন, শিক্ষার্থীদের তা উপলব্ধি করানো

95. ভাষাগত মূল্যায়নের লক্ষ্য _____ পরিমাপ করা।

(1) শিক্ষার্থীদের ভাষিক কুশলতা (language proficiency)
(2) প্রতিটি শিক্ষার্থী তার সহপাঠীদের তুলনায় কতটা শিখেছে, তা
(3) শিক্ষার্থীদের সামগ্রিক (overall) অথবা ক্রমযৌগিক অর্জন (summative achievement)
(4) শিক্ষার্থীদের ভাষা অর্জন সাফল্য (language achievement)

96. শিক্ষণ সহায়ক উপকরণ (teaching aids) ব্যবহারের উদ্দেশ্য

(1) শ্রেণীকক্ষের প্রতি শিক্ষার্থীদের মনোযোগ আকর্ষণ করা
(2) শিক্ষার্থীদের শিখনকর্মে নিমগ্ন রাখা
(3) শিক্ষার্থীদের শিখন-ফলগুলির সর্বাধিক পুষ্টিসাধন
(4) শ্রেণীকক্ষের বিশৃঙ্খলা যথাসম্ভব কমানো

97. আপনার এক ছাত্র/ছাত্রী তার পছন্দ মতো একটি বই তুলে নিল। তারপর সেই বইয়ের গল্পটিকে ছবি অথবা আকার-ইঙ্গিতের সাহায্যে নিজের মতো করে পুনর্ব্যক্ত করল। এটি স্পষ্টত কীসের লক্ষণ?

(1) বিবরণাত্মক (narrative) সচেতনতার
(2) আবির্ভাবমূলক পঠন পর্যায়ের (emergent reading stage)
(3) ধ্বনিতাত্ত্বিক সচেতনতার (phonological awareness)
(4) বাক্যরীতিগত (syntactic) সচেতনতার

www.careerindia.com

CAREERINDIA

নির্দেশ : নিম্নোদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (**98** থেকে **106** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

আমরা যেভাবে শেক্সপীয়রের 'হ্যামলেট'কে পাই তা ১৬০১-এর। তবে প্রায় একই রকমভাবে, সামান্য কিছু বাদ দেওয়া অবস্থায় নাটকটির অভিনয় ১৬০০ তে হয়েছিল। ১৫৯৯-এর শেষ দিকেও হতে পারে। আজ চারশ বছর পরে, ইংলণ্ড থেকে ভৌগোলিকভাবে অনেক দূরে পশ্চিমবঙ্গ নামধেয় একটি প্রদেশ-রাজ্যের সাধারণ মধ্যবিত্ত এক বাঙ্গালীর কাছে এ নাটকের কোন প্রাসঙ্গিকতা আছে কি? শিল্পের কারণের কথা বলছি না, যদিও একজন ইংরেজ কবি এলিয়টের কাছে নাটকটি শৈল্পিকভাবে ব্যর্থ বলেই প্রতিভাত হয়েছিল। বাঙ্গালীদের শেক্সপীয়র পাঠ আজকের নয়, ঔপনিবেশিক উত্তরাধিকারই বলা চলে। আগেকার দিনের সাম্রাজ্যবাদ, এখনকার নতুন সাম্রাজ্যবাদ বিশ্বায়নের মত এত নিশ্ছিদ্র ছিল না—হয়তো প্রযুক্তি, তথ্য-প্রযুক্তির এই ভয়াবহ বিকাশ না থাকায় অনেক ফাঁক-ফোকর থেকে যেত। ঐ ফাঁক দিয়ে ঔপনিবেশিক বাস্তবেও আলো আসত, ব্রিটিশরা নিজেদের স্বার্থে যে ধর্ম-সম্পর্কহীন শিক্ষা ব্যবস্থা চালু করেছিলেন তাতে ঐ আলো প্রতিফলিত হতো। সেই আলোরই একটি উদ্ভাস শেক্সপীয়র। আর যে রাজনৈতিক ও নৈতিক শৃঙ্খলে ঔপনিবেশিক সাহিত্য পাঠ ও শিক্ষাকে বাঁধবার চেষ্টা শাসকেরা করেছিলেন, শেক্সপীয়রের নাটক তার বাইরে টেনে নিয়ে যায় বার বার। আমাদের পশ্চিম-কেন্দ্রিক সাহিত্যপাঠ তত্ত্বকথায় অবশ্যই শেক্সপীয়র পাঠ খণ্ডিত হয়েছে। একথা ঠিক ব্যার্সল, জোন্স উইলসন বাইট বা এলিয়ট, ফ্রান্সিস ফার্গুসন, ডোভার উইলসন বা আরও অনেকের 'হ্যামলেট' পাঠে নিশ্চয়ই আমরা উপকৃত। কতদিক থেকে শেক্সপীয়রের এই নাটককে দেখা যায়, সেটাও এসব আলোচনায় স্পষ্ট। কিন্তু ঐ আলোচনার সংযোগে আমাদের শেক্সপীয়র, আমাদের হ্যামলেটকে কি পেয়েছি? থিয়েটারে হ্যামলেটের নানা ভাষ্য চলচ্চিত্রেও। কিন্তু এই যুগসন্ধির চরিত্রটি আমাদের মনন, আবেগ, আমাদের জিজ্ঞাসায়, আমাদের চতুর্দিকের বাস্তবের মধ্যে কি এসেছে? যেমন করে প্রত্যক্ষত: মেট্রোপলিটার্ণ সংস্কৃতি তার ব্যবহার, তত্ত্ব ও মানসিকতার কর্তৃত্বে দূর অঞ্চলকে ঔপনিবেশিক যুগে নিয়ন্ত্রিত করতো, আজও হয়তো অন্তরালে, পরোক্ষে তেমন করেই করে থাকে। আমাদের সাহিত্যপাঠের ক্ষেত্রেও তাই সত্য। তাই তো যে ঔপন্যাসিক বাংলা উপন্যাসে দেশীয় উপন্যাসায়নের প্রধান প্রবক্তা, তিনি বলে ফেলেন তত্ত্বের কোন দেশ-কাল নেই। তত্ত্ব যেন স্বয়ম্ভূ। হ্যামলেটের এই চতুর্শতবার্ষিকীতে এ নাটককে আমাদের ভাষ্যে নিতে হয়। এ কাজ তিনিই পারেন যিনি শেক্সপীয়র-অভিজ্ঞ, এই মহানাট্যকারের পশ্চিমী ব্যাখ্যার সঙ্গে পরিচিত। আমাদের মত সাধারণ পাঠকের পক্ষে, এ কাজ প্রায় অসম্ভব। আমরা শুধু এটুকুই বলতে পারি, চারশ বছর আগেকার পাঠকের মধ্যে কি খুঁজে পাই আমাদের বাস্তবকে, এই দুঃস্থ তৃতীয় বিশ্বেরই সংলাপ যেন ধ্বনিত এই নাটকে। তত্ত্বের কাছে শিল্পের জিত বোধহয় এখানেই, দেশ-কাল পেরিয়ে সে আসতে পারে অনেক কাছাকাছি। শিল্পের নির্মাণের, রহস্যের এই প্রতীকী তাৎপর্যই তো তাকে অনন্য করেছে।

98. গদ্যাংশটির বিষয় কী?

(1) 'হ্যামলেট' নাটকের ঐতিহাসিক প্রভাব
(2) 'হ্যামলেট' নাটকের বিশেষ প্রাসঙ্গিকতা
(3) 'হ্যামলেট' নাটকের নির্বিশেষ প্রাসঙ্গিকতা
(4) 'হ্যামলেট' নাটকের শৈল্পিক প্রভাব

99. পুরোনো সাম্রাজ্যবাদ নিশ্ছিদ্র ছিল না এবং সেই ছিদ্রগুলি ছিল তৃতীয় বিশ্বের পক্ষে

(1) অভিশাপস্বরূপ
(2) লজ্জাজনক
(3) বেদনাদায়ক
(4) আশীর্বাদস্বরূপ

100. লেখকের মতে বিশ্বায়ন ঔপনিবেশিক শাসনব্যবস্থার চেয়ে

(1) কম পাশ্চাত্যকেন্দ্রিক
(2) বেশি উদার
(3) বেশি ভয়ানক
(4) কম শৃঙ্খলাবদ্ধ

101. আমাদের শেক্সপীয়র পাঠ খণ্ডিত হয়েছে। কারণ—

A. আমাদের পশ্চিম-কেন্দ্রিক তত্ত্ব-নির্ভরতা।
B. আমাদের ধর্ম-নিরপেক্ষ শিক্ষাব্যবস্থা।

(1) কারণ A ঠিক কিন্তু B ভুল
(2) কারণ A এবং B দুটোই ঠিক
(3) কারণ A এবং B দুটোই ভুল
(4) কারণ A ভুল কিন্তু B ঠিক

102. গদ্যাংশের উপসংহার পর্বে লেখক কী জানাতে চেয়েছেন?

(1) তত্ত্ব এবং শিল্প—উভয়ই দেশ-কালের অধীন
(2) তত্ত্বের কোনো দেশ-কাল নেই—শিল্পের আছে
(3) তত্ত্বের কোনো দেশ-কাল নেই—শিল্পেরও নেই
(4) তত্ত্ব দেশ-কালের অধীন—শিল্প নয়

103. পশ্চিমী তাত্ত্বিকদের 'হ্যামলেট'-বিষয়ক লেখাগুলি আমাদের পড়া দরকার। কারণ—

A. এগুলি আমাদের নাটকটিকে নানা দিক থেকে দেখার সুযোগ করে দেয়।
B. এগুলি আমাদের নাটকটিকে নিজেদের মতো করে দেখার সুযোগ করে দেয়।

(1) কারণ A এবং B দুটোই ঠিক
(2) কারণ A ঠিক কিন্তু B ভুল
(3) কারণ A ভুল কিন্তু B ঠিক
(4) কারণ A এবং B দুটোই ভুল

www.careerindia.com

CAREERINDIA

104. লেখক এই রচনায় একটি গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্ন উত্থাপন করেছেন
(1) কিন্তু তার উত্তর খোঁজার দায়িত্ব পশ্চিমী তাত্ত্বিকদের হাতে ছেড়েছেন
(2) এবং তার উত্তরও দিয়েছেন
(3) কিন্তু তার উত্তর খোঁজার দায়িত্ব শেক্সপীয়র-অভিজ্ঞদের হাতে ছেড়েছেন
(4) কিন্তু তার উত্তর খোঁজার দায়িত্ব সাধারণ পাঠকের হাতে ছেড়েছেন

105. '.... দেশীয় উপন্যাসায়নের প্রধান প্রবক্তা ... ।'

নীচের কোনটি 'প্রবক্তা' শব্দের অর্থ **নয়**?
(1) প্রতিপক্ষ
(2) ব্যাখ্যাতা
(3) সুবক্তা
(4) উদ্ভাবক

106. গদ্যাংশের প্রথম পঙ্ক্তিটি ('আমরা যেভাবে .... ১৬০১-এর ।') কোন্ বাক্যের দৃষ্টান্ত?
(1) মিশ্র বাক্য
(2) সরল বাক্য
(3) যৌগিক বাক্য
(4) জটিল বাক্য

নির্দেশ : নিম্নোদ্ধৃত কবিতাটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (**107** থেকে **112** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

হারিয়ে গেলে মা গো আমার, আলোর সরোবর ।
বুক আঁধারে মুখ ডুবিয়ে কাঁদুক এখন ঘর—
ভাঙুক এবার কোটি কণ্ঠ, করুণ অবসাদ
ঝরুক যতই চোখে মুখে শীতল নদীর হাত
রাখবে না কেউ । তুমি তো আজ সুদূর, ব্যবধান
বিশাল আকাশ । পুড়ছে ঘরে প্রভাতবেলার গান ।

তোমার কোলে মাথা রেখে শোলোক শোনা মন
পাড়ি দিত গহন সাগর, ভালবাসার ধন
আলোর মালা স্বপ্ন চোখে । আলোর অন্বেষণ
তোমার চোখেই দেখেছিলাম : আকুল প্রস্রবণ
তোমার আলোয় পথ ভেঙেছে অন্ধকারের পাড়—

এরই মধ্যে আলোর ভাসান! অপার অন্ধকার
আমি তোমার আলোয় মা গো, অবিশ্বাসী স্বর
কেঁদে উঠল; তোমার আলোয় আমার কৃপণ ঘর
শরিক হতে পারল না আর । রাতের মোহনায়
দিনের আলো ডুব দিল ওই । প্রবল অনীহায়
বইছে হাওয়া এলোমেলো, ভাঙছে বুঝি ঘর ।

107. কবিতাটিতে মূলত কী প্রকাশ পেয়েছে?
(1) দারিদ্র্যের যন্ত্রণা
(2) রাজনৈতিক পরাধীনতার যন্ত্রণা
(3) ব্যক্তিগত মাতৃবিয়োগের যন্ত্রণা
(4) দেশ বিভাগের যন্ত্রণা

108. "আলোর অন্বেষণ তোমার চোখেই দেখেছিলাম"-এর সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য অর্থ
(1) তোমার মাধ্যমেই জেগে উঠেছিল ব্যক্তিগত সমৃদ্ধি লাভের আকাঙ্ক্ষা
(2) তোমার জন্যেই জেগে উঠেছিল স্বাধীনতার আকাঙ্ক্ষা
(3) তোমার জন্যেই জেগে উঠেছিল সামাজিক প্রতিপত্তি লাভের আকাঙ্ক্ষা
(4) তোমার চোখেই দেখেছিলাম পারমার্থিক মুক্তি লাভের আকাঙ্ক্ষা

109. "তুমি তো আজ সুদূর, ব্যবধান বিশাল আকাশ ।" কবি এবং তাঁর মায়ের মধ্যে আকাশপ্রমাণ দূরত্ব সৃষ্টি করেছে
(1) রাজনৈতিক শক্তি
(2) প্রাকৃতিক শক্তি
(3) ঐশ্বরিক শক্তি
(4) জনশক্তি

www.careerindia.com

CAREERINDIA

110. ''ভাঙছে বুঝি ঘর।'' এখানে 'ঘর' শব্দটির উদ্দিষ্ট অর্থ
(1) বাসস্থান
(2) রাজনৈতিক অধিকার
(3) জন্মগত আত্মপরিচয়
(4) সামাজিক প্রতিষ্ঠা

111. ''এরই মধ্যে আলোর ভাসান!'' অর্থাৎ
(1) গ্রীষ্মের দীপ্তি শেষ হতেই বর্ষার অন্ধকার
(2) ভূমিষ্ঠ হতেই কবির মাতৃবিয়োগ
(3) জীবন সম্পূর্ণ হতেই মৃত্যুর ছায়া
(4) স্বাধীনতা পেতেই মানুষের দেশত্যাগ

112. কবিতাটি স্বরবৃত্ত ছন্দে রচিত। এর প্রতিটি পঙ্ক্তি বা চরণের শেষে আছে একটি করে অপূর্ণ পর্ব। সেই অপূর্ণ পর্বগুলি
(1) চার মাত্রার
(2) এক মাত্রার
(3) দুই মাত্রার
(4) তিন মাত্রার

নির্দেশ : নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির (**113** থেকে **120** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

113. নীচের কোন্ মন্তব্যটি ভাষা শিখন সম্পর্কে সঠিক?
(1) ভাষা শিখন অসচেতনভাবেই ঘটে।
(2) ভাষা শিখন কেবলমাত্র পাঠ্যপুস্তক পড়ার মাধ্যমেই ঘটে।
(3) মুদ্রণ-সমৃদ্ধ পরিবেশ ভাষা শিখনকে ত্বরান্বিত করে।
(4) বিজ্ঞান ও গণিত শিখনে ভাষা শিখনের প্রয়োজন নেই।

114. কান্না, কুয়িং ও ব্যাব্লিং—এসব দৃষ্টান্তই ভাষা শিখনের ______ স্তর।
(1) নির্দেশক (referential)
(2) ভাষাতাত্ত্বিক (linguistic)
(3) প্রাক্-ভাষাতাত্ত্বিক
(4) অভিব্যক্তিক (expressive)

115. গর্বিত ক্লাসরুমে তার বন্ধুদের সঙ্গে হিন্দিতে কথা বলছিল। কিন্তু শিক্ষক ডাকতেই সে ইংরেজিতে উত্তর দিল। এটি একটি ______-এর দৃষ্টান্ত।
(1) কোড-বদল (code-switching)
(2) কোড-মিশ্রণ (code-mixing)
(3) উপভাষা (dialect)
(4) সমাজভাষাবিজ্ঞান (sociolinguistics)

116. নীচের কোন্ পরিভাষাটি ভাইগোট্স্কির সমাজ-সাংস্কৃতিক তত্ত্বের সঙ্গে সম্পর্কিত **নয়**?
(1) ভাষা অর্জন কৌশল (language acquisition device)
(2) সামাজিক মিথস্ক্রিয়া (social interaction)
(3) স্ক্যাফোল্ডিং (scaffolding)
(4) নিকটক উন্নয়ন এলাকা (zone of proximal development)

117. সব পাঠ্যক্রম (syllabus) শিখন-ফলের (learning outcome) কথা বলে। অর্থাৎ পাঠ্যক্রম বলে
(1) শিক্ষকের শিক্ষণ পদ্ধতি পরিবর্তনের কথা
(2) পাঠ্যপুস্তকের অন্তর্গত বিষয়বস্তুকে গুরুত্ব প্রদানের কথা
(3) শিক্ষার্থীদের আচরণগত পরিবর্তন সাধনের কথা
(4) সমস্ত পরিচ্ছেদ বা পাঠাংশ সম্পূর্ণ করার কথা

118. টেলিফোন যোগাযোগ তালিকা থেকে একটি ফোন নম্বর খোঁজা ______-এর উদাহরণ।
(1) সারগ্রাহী পাঠ (skimming)
(2) অনুপুঙ্খ পাঠ (scanning)
(3) সমীক্ষা (survey)
(4) পর্যালোচনা (review)

119. শিশুদের নতুন শব্দের অর্থ মুখস্থ করানোর বদলে প্রসঙ্গের প্রেক্ষিতে সেটির অর্থ বোঝালে
(1) সময় নষ্ট হয়
(2) শিশুরা অনেক সময় বিভ্রান্ত বোধ করে
(3) শব্দটি আরো ভালোভাবে বুঝতে সুবিধা হয়
(4) মুখস্থ বিদ্যাকে শক্তিশালী করে

120. লেখক নিজেই যখন একটি চরিত্র হিসেবে (অথবা চরিত্র না হয়েও) কোনো গল্প বর্ণনা করেন তখন সেই লিখনের ধরনটিকে বলা হয়
(1) বিবরণাত্মক (narrative)
(2) উদ্ঘাটনাত্মক (expository)
(3) প্রেরণাত্মক (persuasive)
(4) বর্ণনাত্মক (descriptive)

www.careerindia.com

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলাকে ভাষা–II হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই ভাগ–**V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **BENGALI** as **Language–II** only.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

PART—V / খণ্ড—V

LANGUAGE—II / ভাষা—II

Bengali / বাংলা

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলাকে ভাষা–II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তাঁরা অবশ্যই **ভাগ–V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ : নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির (**121** থেকে **127** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

121. কোনো উপন্যাস পড়া কীসের দৃষ্টান্ত?
(1) স্কিমিং
(2) ব্যাপক পাঠ (extensive reading)
(3) নিবিড় পাঠ (intensive reading)
(4) স্ক্যানিং

122. কোনো প্রবন্ধ বা রচনায় উদ্ধৃতি (quotation) ব্যবহারের মূল উদ্দেশ্য কী?
(1) কোনো বিশেষ তথ্যকে বিশ্লেষণ (analyze) করা
(2) রচনাটির মূল সুর বেঁধে নেওয়া (to set the tone)
(3) কোনো জটিল বিষয়কে ব্যাখ্যা করা
(4) অন্য কারোর দৃষ্টিভঙ্গিকে উপস্থাপন করা

123. অষ্টম শ্রেণির একজন শিক্ষক তাঁর শিক্ষার্থীদের একটি নিবন্ধ পড়তে দিলেন এবং তার উপর ভিত্তি করে বিভিন্ন কাজ করতে বললেন। তিনি জানেন প্রদত্ত নিবন্ধটি তাঁর শিক্ষার্থীদের ভাষা-স্তরের তুলনায় কিছুটা উঁচু স্তরের। এটাকে কী বলা হবে?
(1) বোধগম্য প্রসম্ভার বা ইনপুট (comprehensible input)
(2) শিখন অনুকল্প (learning hypothesis)
(3) দুর্বোধ্য প্রসম্ভার বা ইনপুট (incomprehensible input)
(4) পঠন বোধ (reading comprehension)

124. ব্যাকরণ শিক্ষণ প্রধানত _____ উন্নয়নের ক্ষেত্রে কার্যকরী।
(1) সংখ্যাজ্ঞান (numeracy)
(2) সাবলীলতা (fluency)
(3) যাথার্থ্য (accuracy)
(4) সাক্ষরতা (literacy)

125. ব্যাকরণ শিক্ষণের উদ্দেশ্য শিক্ষার্থীদের যোগাযোগ স্থাপনে সমর্থ করা। নীচের কোনটি এই উদ্দেশ্য অনুসারী **নয়**?
(1) ভুল সংশোধন করা সবসময় শিক্ষকের প্রথম কর্তব্য বা দায়িত্ব নয়
(2) শিক্ষার্থীদের ব্যাকরণের প্রতিটি বিষয়ের সমস্ত দিকগুলির উপর দখল থাকবে
(3) শিক্ষার্থীদের দরকার খোলামেলা শিক্ষণ যাতে তারা ব্যাকরণের বিষয়-বিন্দুগুলিকে (grammar points) বৃহত্তর যোগাযোগ ক্ষেত্রের সঙ্গে যুক্ত করতে পারবে
(4) শিক্ষার্থীদের ব্যাকরণের কেবল সেইসব দিকগুলিই আয়ত্ত করতে হবে যা উপস্থিত (immediate) যোগাযোগ স্থাপনের জন্য দরকার

126. পঠনে 'বাগর্থ সংকেত' বা 'semantic cues' এমন সূত্র, যা
(1) ব্যাকরণিক সংগঠন শনাক্তকরণে কাজে লাগে
(2) শব্দের অর্থোদ্ধারে (decoding) সাহায্য করে
(3) শব্দের উচ্চারণ সংশোধনে কাজে লাগে
(4) অর্থনির্মাণ প্রক্রিয়ায় সহযোগিতা করে

www.careerindia.com

CAREERINDIA

127. ভাষা শিক্ষণ-শিখনের কোন্ পদ্ধতি মনে করে যে 'ভাষা একটি অভ্যাস' ?

(1) শ্রুতিভাষিকতা (audiolingualism)

(2) যোগাযোগমূলক ভাষা শিক্ষণ

(3) সহযোগিতামূলক (cooperative) ভাষা শিখন

(4) প্রাকৃতিক (natural) পদ্ধতি

নির্দেশ : নিম্নোদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (**128** থেকে **135** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

টাইপিস্ট টাইপ করতে-করতে বলে, ''আপনার সঙ্গে আপনার সম্পত্তির বিশদ বিবরণ আছে তো?''

—''বিশদ বিবরণ মানে?''

—''বিশদ বিবরণ মানে আপনার ঠিক কত একর জমি ছিল, কটা বাড়ি ছিল তার বিশদ বিবরণ। মোট কতটা জমি ছিল তার আনুমানিক দামই-বা কত। তারপর ধরুন, সে জমি কি সরাসরি কেনা না ইজারা নেয়া? যদি কেনা হয় তাহলে তা কত টাকায় কেনা? আর তার প্রমাণে আপনার কাছে কি কোনো দলিল বা অফিসারের কোনো রসিদ আছে? আর এই গোটা জমির দামই-বা কত? এই সমস্ত কিছুরই বিশদ বিবরণ প্রয়োজন।''

জোড়মল একেবারে হতবাক হয়ে গেলেন। কারণ এই গোটা জিনিশটাই তার কাছে ছিল একদম নতুন। তিনি ভাবলেন যে, সত্যি আমি তো এসব কিছুই আনিনি। মানিকমল বলেছিল, আমি যা বলব অফিসার তাই লিখে নেবে, আর এখানে তো .....। যাই হোক আমি একজন সিন্ধি এটাই কি যথেষ্ট প্রমাণ নয়?

জোড়মলকে চিন্তায় আচ্ছন্ন দেখে টাইপিস্ট আবার জিজ্ঞেস করল যে, ''আপনি ঠিক কতটা সম্পত্তি পাকিস্তানে ফেলে এসেছেন? মোট কটা বাড়ি আর আপনার অন্য সম্পত্তির পরিমাণই-বা কত?''

এই প্রশ্নের এমন প্রতিক্রিয়া হল জোড়মলের, যে যেনবা তিনি হঠাৎ স্বপ্ন ভেঙে জেগে উঠলেন, আর বললেন, ''ভাই, এটা এভাবেও বলা যায় যে .... আপনি কিন্তু আমায় গোল পাকিয়ে দিয়েছেন। আচ্ছা ঠিক আছে, লিখুন জোড়মল, ওয়াসিমলের ছেলে, পদবী নাগদেব। আমি আমার গোটা সিন্ধ, পাকিস্তানে ফেলে এসেছি। আর এখানে আমি দাবি জানাচ্ছি সেই সিন্ধের এবং এর পুরোটাই আমার প্রাপ্য। আর এই দাবির স্বপক্ষে প্রমাণ হল এই যে জোড়মল একজন সিন্ধি, তার ভাষা সিন্ধি, তার চলবেলা সিন্ধি।''

—''কিন্তু এটা আমি কীভাবে লিখব? এর কতটা আপনার?''

—''সিন্ধ-এ আমি কতটা ফেলে এসেছি? আমি কতটা রেখে এসেছি সিন্ধ? আমি আমার সিন্ধ ফেলে এসেছি। আর যদি তা আমার না হয় তাহলে তা কার? আমরা সিন্ধিরা সমস্ত সুবিধা ছেড়ে এখানে এসেছি আর তাও আপনি ভাবছেন যে আমার সিন্ধের কথা কিছু মনে নেই? আমি তার কথা ভুলে গেছি? আপনি যদি তা ভেবে থাকেন তাহলে আপনি ভুল করছেন স্যার। এটা কখনোই হয় না। কারণ আমার শরীরের প্রতিটি অংশ সিন্ধ-এর স্মৃতিতে ভরা। আমি একজন সিন্ধি। সিন্ধ আমার দেশ। কাজেই আমার তা দাবি করার অধিকার আছে। আমরা শুনেছি পাঞ্জাবিরা পাঞ্জাব পেয়েছে, বাঙালিরা বাংলা। তাহলে আমরা কি এমন দোষ করেছি যে আমরা আমাদের সিন্ধের অধিকার থেকে বঞ্চিত হব?'' জোড়মল ক্রমশই আবেগপ্রবণ হয়ে পড়ছিলেন।

যারা বসেছিল জোড়মলের কথায় তারা সকলেই হাসতে শুরু করেছিল, এমনকি অফিসারটিও মুচকি-মুচকি হাসছিলেন।

128. গদ্যাংশটি কোন্ সাহিত্য শাখার (genre বা সংরূপ) দৃষ্টান্ত?

(1) জীবনকথা

(2) নিবন্ধ

(3) গল্প

(4) প্রতিবেদন

129. রচনাটির বিষয়বস্তু কী?

(1) ব্যক্তিগত উচ্ছাশা

(2) রাজনৈতিক বঞ্চনা

(3) সামাজিক সৌহার্দ্য

(4) সাম্প্রদায়িক ঈর্ষাপরায়ণতা

130. টাইপিস্টের জিজ্ঞাসাবাদের মাধ্যমে লেখক সরকারি ব্যবস্থার কোন্ দিকটিকে প্রকাশ করতে চেয়েছেন?

(1) প্রয়োজনীয় তৎপরতার

(2) নিখাদ সংবেদনশীলতার

(3) অটল সহনশীলতার

(4) নির্বোধ যান্ত্রিকতার

www.careerindia.com

CAREERINDIA

131. ''জোড়মল একেবারে হতবাক হয়ে গেলেন।'' কারণ

A. সিন্ধ প্রদেশে তাঁর সত্যি সত্যি কোনো জমি বাড়ি ছিল না।

B. এখানে তাঁর সব সম্পত্তির প্রমাণ দাখিল করতে হবে জানা ছিল না।

(1) কারণ A ভুল কিন্তু B ঠিক

(2) কারণ A এবং B দুটোই ভুল

(3) কারণ A এবং B দুটোই ঠিক

(4) কারণ A ঠিক কিন্তু B ভুল

132. ''... আমি দাবি জানাচ্ছি সেই সিন্ধের এবং এর পুরোটাই আমার প্রাপ্য।'' উক্তিটির মধ্য দিয়ে প্রকাশ পেয়েছে জোড়মলের

(1) সংকীর্ণ স্বার্থবুদ্ধি

(2) সীমাহীন লোভ

(3) হাস্যকর নির্বুদ্ধিতা

(4) অবিচ্ছিন্ন জন্মভূমিপ্রীতি

133. ''আমরা শুনেছি পাঞ্জাবিরা পাঞ্জাব পেয়েছে, বাঙালিরা বাংলা।''—জোড়মলের এই কথা তাঁর কোন্ মানসিকতার পরিচয় দেয়?

(1) সমানাধিকার সচেতন মানসিকতার

(2) সাম্প্রদায়িক মানসিকতার

(3) ঈর্ষাপরায়ণ মানসিকতার

(4) উচ্চাভিলাষী মানসিকতার

134. ''এই সমস্ত কিছুরই বিশদ বিবরণ প্রয়োজন।'' 'বিশদ' পদটি বিশেষণ। এর বিশেষ্য রূপ কোনটি?

(1) বিশারদ

(2) বিশদীয়

(3) বৈশদ্য

(4) বিশিষ্ট

135. 'উদ্বাস্তু' পদটি কোন্ সমাসের দৃষ্টান্ত?

(1) বহুব্রীহি

(2) প্রাদি / অব্যয়ীভাব

(3) কর্মধারয়

(4) তৎপুরুষ

নির্দেশ : নিম্নোদ্ধৃত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (**136** থেকে **142** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

কৈলাশচন্দ্র বসু নামে হিন্দু কলেজের একজন শিক্ষক খ্রিষ্ট ধর্ম গ্রহণ করলেন। অমনি কলেজের অভিভাবক সভার হিন্দু সদস্যরা রুষ্ট হয়ে বললেন, কৈলাশচন্দ্রকে চাকরি থেকে অপসারিত করতে হবে। বীট্‌ন বিস্মিত হলেন। ধর্মান্তরিত হওয়াই কি একজন শিক্ষকের অযোগ্যতার পরিচায়ক? কলেজে তো অনেক ইওরোপীয় শিক্ষক রয়েছেন, যাঁরা ধর্মে খ্রিষ্টান, তাহলে একজন বাঙালি যদি খ্রিষ্টান হয়, তবে সে কেন শিক্ষকতা করতে পারবে না? হিন্দু সদস্যরা উত্তরে বললেন, এতে ছাত্রদের সামনে একটি খারাপ দৃষ্টান্ত স্থাপিত হবে। বীট্‌ন নতুন এসেছেন, সব কিছু ভালো করে বুঝে উঠবার আগেই কৈলাশচন্দ্র বসু অপসারিত হয়ে গেলেন।

কিছুদিন বাদে গুরুচরণ সিংহ নামে একটি ছাত্র খ্রিষ্টান হল। দেশে খ্রিষ্টান হবার ধুম পড়ে গেছে, ইংরেজি শিক্ষায় আলোকপ্রাপ্ত যুবকদের ধারণা, খ্রিষ্ট ধর্ম গ্রহণ করলেই তারা রাজার জাতে উন্নীত হবে।

হিন্দু কলেজের নিয়ম অনুযায়ী গুরুচরণ সিংহ আর ছাত্র থাকতে পারবে না সেখানে। হিন্দু ছাড়া কারুর পাঠের অধিকার নেই সেখানে। কয়েক বছর আগে রাজনারায়ণ দত্তের পুত্র মধুসূদনও খ্রিষ্টান হবার পর এই কলেজ ছাড়তে বাধ্য হয়েছিল। কিন্তু এবার বীট্‌ন দৃঢ় কণ্ঠে প্রতিবাদ জানালেন।

www.careerindia.com

CAREERINDIA

হিন্দু কলেজ পুরোপুরি সরকারের এক্তিয়ারে নয়। কয়েক বছর ধরে ইংরেজ সরকার এই কলেজকে কিছু আর্থিক সাহায্য করছেন কিন্তু কলেজটি স্থাপিত হয়েছিল বেসরকারি উদ্যোগে এবং গণ্যমান্য ব্যক্তিদের দানে। সেই সব ব্যক্তিরা কিংবা তাঁদের পারিবারিক প্রতিনিধিরা এখনো রয়েছেন কলেজ পরিচালনা সংস্থার সদস্য। তাঁদের নেতৃত্ব দেন রাজা রাধাকান্ত দেব, রক্ষণশীলতার প্রধান ও সুদৃঢ়তম দুর্গটি তিনিই রক্ষা করে চলেছেন।

হিন্দু সদস্যরা ভাবলেন, পাদ্রিদের মতন বীটনও বুঝি এদেশে খ্রিষ্ট ধর্মের বন্যা বইয়ে দিতে চান। সুতরাং রাধাকান্ত দেব প্রমুখ দৃঢ় প্রতিরোধে নামলেন। যদিও বীটন ধর্ম বিষয়ে খুব উৎসাহী নন, অখ্রিষ্টান মাত্রই নরকে পতিত হবে, এমন বিশ্বাস তাঁর নেই, ধর্ম গ্রহণ বা বর্জনকে তিনি মানুষের ব্যক্তিগত রুচি হিসেবেই গ্রহণ করেন। শুধু হিন্দুরাই ছাত্র হবার অধিকারী, হিন্দু কলেজের এই মূল নিয়মটিকেই তিনি বর্জন করতে চান। তিনি প্রতিপক্ষের সামনে দৃষ্টান্ত তুলে ধরলেন। হুগলীর কলেজ কিংবা প্রিন্স গোলাম মহম্মদ প্রতিষ্ঠিত রসাপাগলা গ্রামের ইংরেজি স্কুলে তো খ্রিষ্টান, মুসলমান ও হিন্দু ছাত্ররা একসঙ্গে পাঠ নেয়! সে সব স্থলে তো কোনো বৈষম্য নেই।

136. গদ্যাংশটির উপস্থাপনাশৈলী এটিকে কোন্ শ্রেণির রচনা হিসেবে প্রতিষ্ঠিত করে?
(1) স্মৃতিকথা
(2) শিক্ষা-বিষয়ক প্রস্তাবনা
(3) ইতিহাস-ভিত্তিক আখ্যান
(4) জীবন-চরিত

137. গদ্যাংশটিতে নির্দিষ্টভাবে ক'টি শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের উল্লেখ করা হয়েছে?
(1) চারটি
(2) দুটি
(3) তিনটি
(4) একটি

138. বীটন না চাইলেও শিক্ষক কৈলাশচন্দ্র বসু এবং ছাত্র গুরুচরণ সিংহকে হিন্দু কলেজ ছাড়তে হয়েছিল। কারণ :
A. কলেজটি পুরোপুরি সরকারের এক্তিয়ারে ছিল না।
B. কলেজ পরিচালন সংস্থার হিন্দু সদস্যদের নেতৃত্বে ছিলেন রাজা রাধাকান্ত দেব।
(1) কারণ A এবং B দুটোই ভুল
(2) কারণ A ঠিক কিন্তু B ভুল
(3) কারণ A ভুল কিন্তু B ঠিক
(4) কারণ A এবং B দুটোই ঠিক

139. বীটন কী চাইতেন?
(1) অহিন্দু-প্রধান শিক্ষাব্যবস্থা
(2) ধর্মনিরপেক্ষ শিক্ষাব্যবস্থা
(3) ধর্মদ্রোহী শিক্ষাব্যবস্থা
(4) খ্রিষ্টধর্ম-প্রধান শিক্ষাব্যবস্থা

140. কোন্ মন্তব্যটি সঠিক?
(1) তখন হিন্দু কলেজে কেবল হিন্দু শিক্ষার্থীরাই পড়ার সুযোগ পেত।
(2) তখন কোনো শিক্ষাপ্রতিষ্ঠানেই সব ধর্মের শিক্ষার্থী একসঙ্গে পড়ার সুযোগ পেত না।
(3) তখন কোনো শিক্ষাপ্রতিষ্ঠানেই কেবল মেধার ভিত্তিতে কেউ পড়ার সুযোগ পেত না।
(4) তখন হিন্দু কলেজে কেবল খ্রিষ্টান ছাড়া সব ধর্মের শিক্ষার্থী পড়ার সুযোগ পেত।

141. "দেশে খ্রিষ্টান হবার ধুম পড়ে গেছে, ...।" সাধারণত এর মূলে ছিল
(1) মহাত্মাদের শ্রেণিতে উন্নীত হওয়ার ইচ্ছা
(2) আলোকপ্রাপ্ত হওয়ার ইচ্ছা
(3) স্বর্গ লাভের ইচ্ছা
(4) রাজার জাতে উন্নীত হওয়ার ইচ্ছা

142. কোন্ দুটি পদ একই শ্রেণিভুক্ত (বিশেষ্য/বিশেষণ)?
(1) গণ্যমান্য—এক্তিয়ার
(2) খ্রিষ্টান—এক্তিয়ার
(3) এক্তিয়ার—উন্নীত
(4) উন্নীত—খ্রিষ্টান

নির্দেশ : নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির (**143** থেকে **150** নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তর নির্বাচন করুন :

143. লিখনের বিভিন্ন পর্যায়ের মাধ্যমে লিখন শিখন _____ হিসেবে পরিচিত।
(1) সৃজনমূলক (creative) লিখন
(2) লিখনের প্রক্রিয়া পদ্ধতি (process approach)
(3) লিখনের উৎপাদ (product) পদ্ধতি
(4) বিশ্লেষণাত্মক লিখন (analytical writing)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

144. শিক্ষার্থীর যোগাযোগমূলক দক্ষতা মূল্যায়নের জন্য কোন্ মূল্যায়নমূলক কার্যটি সবচেয়ে উপযোগী ?

(1) প্রদত্ত কোনো পরিস্থিতিতে একটি বক্তৃতা বা ভাষণ লিখন
(2) একটি ছবির বই থেকে একটি দৃশ্যের বর্ণনা করা
(3) নাটকে চরিত্রাভিনয় করা
(4) কোনো শ্রুতি-পাঠ (audio text) শুনে মৌখিক প্রতিক্রিয়া জ্ঞাপন

145. চম্‌স্কির বক্তব্য অনুযায়ী, ভাষা বিকাশের জন্য মানব প্রজাতির মধ্যে নিহিত থাকে একটি

(1) সংকেতবাহী প্রস্তুতি (telegraphic readiness)
(2) শিখন গুচ্ছ (learning set)
(3) শারীরবৃত্তীয় স্বভাব প্রস্তুতি (biological disposition)
(4) প্রত্যক্ষজ গুচ্ছ (perceptual set)

146. গোড়া থেকেই বিদ্যালয় শিক্ষার ক্ষেত্রে বহুভাষিক পদ্ধতিটি খুবই সুফলদায়ক। কারণ পদ্ধতিটির প্রয়োগ যে কুফল থেকে রক্ষা করে, তা হল

(1) দুর্বল যোগাযোগ দক্ষতা
(2) স্কুল-ছুট (school dropouts)
(3) শিখন বৈকল্য (learning disabilities)
(4) কারোর নিজস্ব ভাষা খোয়ানো

147. নতুন কোনো পাঠ শুরু করার আগে আপনি শিক্ষার্থীদের একটি মজার কাজে নিয়োগ করলেন। আপনি এটা করলেন

(1) শিক্ষার্থীদের মনোযোগ বিকর্ষিত করার জন্য
(2) শিক্ষার্থীদের নতুন ক্লাসের জন্য প্রস্তুত এবং অনুপ্রাণিত করার জন্য
(3) শিক্ষক হিসেবে আপনার কর্মভার লাঘব করার জন্য
(4) পাঠ শুরুর আগে শৃঙ্খলা স্থাপনের জন্য

148. একটি শিখন-তত্ত্ব হিসেবে ‘গঠনবাদ’ (constructivism) মনে করে যে

(1) শিখন সামাজিকরূপে সংগঠিত (socially constructed)
(2) শিখন একটি ব্যক্তিগত বৈশিষ্ট্য (individual characteristic)
(3) সব শিক্ষার্থীই ভাষা শিখতে পারে না
(4) শিখন সম্পূর্ণরূপে একটি মনস্তাত্ত্বিক ব্যাপার (psychological phenomena)

149. কখনো কখনো মানুষ একই বাক্যে বিভিন্ন ভাষার উপাদান মিশিয়ে ফেলে। এটি _____ এর দৃষ্টান্ত।

(1) আঞ্চলিক উপভাষা (dialects)
(2) কোড-বদল (code-switching)
(3) কোড-মিশ্রণ (code-mixing)
(4) সমাজভাষাবিজ্ঞান (sociolinguistics)

150. শিক্ষার্থীরা অনেক সময়ই কথা বলতে গিয়ে ভাষার উচ্চারণের অদ্বিতীয় (unique) নিয়মাবলীর জন্য আত্মবিশ্বাসের অভাব বোধ করে। সমস্যাটি কাটানোর একটি উপায় হচ্ছে

(1) শিক্ষার্থী যখনই ভুল করবে, তখনই শুধরে দেওয়া
(2) শিক্ষার্থীদের ক্লাসে পড়ার জন্য উৎসাহিত করা
(3) কাউন্সেলরের সাহায্যে বিশেষ স্পিচ থেরাপি করানো বা কথন সমস্যা দূরীকরণের ব্যবস্থা করা
(4) ক্লাসরুমে পারস্পরিক কথোপকথনের প্রয়োজন হয় এমন কোনো কার্যক্রম ব্যবহার করা

www.careerindia.com

SPACE FOR ROUGH WORK

www.careerindia.com

★ ★ ★

CAREERINDIA

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. বিভিন্ন ধরনের প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের জন্য যে নির্দেশ পরীক্ষা-পুস্তিকায় দেওয়া রয়েছে, প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের পূর্বে তা মনোযোগ সহকারে পড়ুন ।
2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসাবে OMR উত্তর-পত্রে **দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই কালো/নীল বলপয়েন্ট পেন** দিয়ে ভরাট করতে হবে । একবার উত্তর চিহ্নিতকরণ হয়ে গেলে তা আর বদলানো যাবে না ।
3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর-পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না । পরীক্ষার্থী তাঁর ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনখানেই উল্লেখ করবেন না ।
4. পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন । কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে না । শুধুমাত্র পরীক্ষা-পুস্তিকা এবং উত্তর-পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে ।
5. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিকমতো পরীক্ষা-পুস্তিকা/উত্তর-পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা-পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন ।
6. মেশিন কেবলমাত্র উত্তর-পত্রে (OMR) দেওয়া সংকেতই পড়তে পারবে । তাই কোনো তথ্য অসম্পূর্ণ রাখা চলবে না এবং প্রবেশ-পত্রে প্রদত্ত তথ্যের সাথে তার কোনো পার্থক্য থাকবে না ।
7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ-পত্র (Admit Card) ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্যবস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিন উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না ।
8. মোবাইল, বেতার যোগাযোগ মাধ্যম (এমনকী নিষ্ক্রিয় করে রাখা মোবাইল) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ বৈদ্যুতিন উপকরণ পরীক্ষা হলে আনা চলবে না । এই নির্দেশ পালন না করলে তাকে অন্যায় আচরণ হিসাবে গণ্য করা হবে এবং তাঁর বিরুদ্ধে ব্যবস্থা নেওয়া হবে, এমনকী তাঁর পরীক্ষা বাতিল করাও যেতে পারে ।
9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তাঁর প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন ।
10. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তাঁর আসন ছেড়ে উঠবেন না ।
11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর-পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা-পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষা হল থেকে বেরোবেন না । যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে দ্বিতীয়বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর-পত্র জমা করেননি এবং ব্যাপারটিকে দণ্ডনীয় অপরাধ হিসাবে গণ্য করা হবে ।
12. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যালকুলেটরের ব্যবহার নিষিদ্ধ ।
13. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য । কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে ।
14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা-পুস্তিকা ও উত্তর-পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না ।
15. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা হল ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর-পত্রটি অবশ্যই নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন । পরীক্ষা-পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই । পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন ।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच्ड ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Hall/Room. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, before leaving the Hall/Room, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

www.careerindia.com